अनुक्रमणिका

क्रम. सं.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	भाषा, लिपि तथा व्याकरण (Language, Script and Grammar)	7
2.	वर्ण, वर्णमाला और मात्राएँ (Letters, Alphabet and Symbol of Vowel)	12
3.	शब्द और वाक्य (Words and Sentences)	17
4.	संज्ञा (Noun)	21
5.	वचन (Number)	25
6.	लिंग (Gender)	30
7.	सर्वनाम (Pronoun)	34
8.	विशेषण (Adjective)	39
9.	क्रिया (Verb)	44
10.	काल और अव्यय (Tense and indeclinable)	48
11.	शब्द-भंडार (Vocabulary)	51
12.	विराम-चिह्न (Punctuation-Marks)	59
13.	मुहावरे (Idioms)	63
14.	अपठित गद्यांश (Unseen Passages)	67
15.	संवाद-लेखन (Dialogue Writing)	72
16.	पत्र-लेखन (Letter Writing)	75
17.	अनुच्छेद-लेखन (Paragraph Writing)	81
18.	निबंध-लेखन (Essay Writing)	83
19.	कहानी-लेखन (Story Writing)	87
20.	चित्र-वर्णन (Picture Description)	92
21.	अशुद्धि-संशोधन (Error Improvement)	98
	स्वमूल्यांकन पत्र-1	101
	स्वमूल्यांकन पत्र-2	103

EDTONE INTERNATIONAL

अध्याय 1

भाषा, लिपि तथा व्याकरण
(Language, Script and Grammar)

पढ़िए और समझिए

राहुल किताब पढ़ रहा था तभी माँ ने कहा, "राहुल खाना खालो। देर हो रही है। खाना ठंडा हो जाएगा।" राहुल बोला "ठीक है, आता हूँ माँ।"

यहाँ हमने देखा कि माँ ने **बोलकर** राहुल से कहा, राहुल ने **सुनकर** उत्तर दिया और खाने की मेज़ पर पहुँच गया।

हम अपने विचारों को एक-दूसरे तक लिखकर पहुँचाते हैं; जैसे– "लो, तुम्हारे भाई का पत्र आया है। इस बार वह छुट्टियों में घर नहीं आ पाएगा। उसे परीक्षा की तैयारी करनी है।"

हमने देखा, दूर छात्रावास में रहते हुए भी भाई ने घर न आ पाने की सूचना बहन को दी। इस प्रकार, हम **बोलकर** या **लिखकर** अपनी बात दूसरों को समझाते हैं और दूसरों की सुनी हुई या पढ़ी हुई बात को समझ पाते हैं।

भाषा ऐसा साधन है, जिसके माध्यम से हम अपनी बातों तथा विचारों को एक-दूसरे तक पहुँचाते हैं और उन्हें स्वयं समझते हैं।

कभी-कभी कुछ बातों को किसी संकेत अथवा इशारों के द्वारा समझाते हैं; जैसे- एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी सड़क किनारे संकेत के द्वारा अपनी भाषा को समझाता है।

भाषा के रूप- (1) मौखिक एवं (2) लिखित

(1) **मौखिक रूप–** मौखिक अर्थात् बोलकर वक्ता अपनी बात बताता है और श्रोता सुनकर बात को समझता है।

(2) **लिखित रूप–** लिखित अर्थात् लिखकर। इसमें हम लिखकर अपनी बात बताते हैं और दूसरा व्यक्ति पढ़कर बात को समझता है; जैसे–

कंप्यूटर

समाचार–पत्र

पुस्तक

विभिन्न भाषाएँ

संसार में अनेक भाषाएँ सुनी, लिखी, पढ़ी और बोली जाती हैं।

इसी प्रकार कुछ देशों की भी अपनी-अपनी भाषाएँ हैं; देखिए–

देश	भाषा
फ्रांस	फ्रेंच
वेटिकन सिटी	लैटिन
स्पेन	स्पेनिश
जर्मनी	जर्मन

देश	भाषा
चीन	मंदारिन
इग्लैंड	अंग्रेज़ी
जापान	जापानी
इटली	इतालवी

इसी प्रकार पशु-पक्षी अपनी बातों को कुछ विशिष्ट ध्वनियों के साथ बोलते हैं, किंतु उन्हें भाषा नहीं कह सकते; जैसे–

कुत्ता

भौं–भौं

कोयल

कुहुँ–कुहुँ

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को भाषा के विभिन्न रूपों को समझाएँ तथा उनके उदाहरणों को परिभाषित करके उनमें अंतर स्पष्ट करें।

EDITONE INTERNATIONAL

हमारे देश को बहुभाषीय देश के रूप में जाना जाता है अर्थात् यहाँ हिंदी के अतिरिक्त अन्य भाषाओं को भी बोला जाता है। विभिन्न भारतीय भाषाओं पर दृष्टि डालें–

राज्य	भाषा	राज्य	भाषा
गुजरात	गुजराती	केरल	मलयालम
कश्मीर	कश्मीरी	पश्चिम बंगाल	बांग्ला
ओडिशा	उड़िया	कर्नाटक	कन्नड़
आंध्रप्रदेश	तेलुगू	असम	असमिया
तमिलनाडु	तमिल	पंजाब	पंजाबी
महाराष्ट्र	मराठी	गोवा	कोंकणी

- **मातृभाषा**– वह भाषा जिसे बच्चा अपनी माता अथवा परिवार के अन्य लोगों से सीखता है, वह उसकी मातृभाषा कहलाती है।
- **राजभाषा**– सरकारी कामकाज में काम आने वाली भाषा राजभाषा कहलाती है। हिंदी हमारी राजभाषा है।
- **प्रादेशिक भाषा**– भारत देश अनेक प्रदेशों और राज्यों से मिलकर बना है। यहाँ अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। जो भाषा किसी प्रदेश के लोगों द्वारा बोली जाती है, वह वहाँ की प्रादेशिक भाषा कहलाती है।

लिपि

सभी भाषाओं को लिखने के कुछ विशेष चिह्न निश्चित होते हैं, जिनके द्वारा हम अपनी बातों को लिखकर प्रकट करते हैं। उन्हें लिपि चिह्न कहा जाता हैं। हिंदी, संस्कृत, मराठी भाषाओं की लिपि देवनागरी है।

व्याकरण

तुम कहाँ जा रहे हैं?

मैं घर जा रहा हैं।

बच्चो! इन चित्रों में जो वार्तालाप हो रहा है, वह सही नहीं है। यहाँ तुम कहाँ जा रहे हैं? और मैं घर

जा रहा हैं शब्दों का प्रयोग उचित नहीं है। इसके स्थान पर तुम कहाँ जा रहे हो? एवं मैं घर जा रहा हूँ सही वाक्य हैं।

अतः **व्याकरण** वह शास्त्र है, जो भाषा को शुद्ध रूप में बोलना, पढ़ना और लिखना सिखाता है।

- नेत्रहीन व्यक्ति भाषा को ब्रेल विधि द्वारा पढ़ना सीखते हैं।
- भारतीय संविधान में कुल 22 मान्यता प्राप्त भाषाएँ हैं।

आइए, पुनरावृति करें

- लिपि– भाषा को लिखने का ढंग लिपि कहलाता है।
- घर–परिवार से सीखने वाली भाषा मातृभाषा कहलाती है।
- भाषा के दो रूप होते हैं– मौखिक तथा लिखित।
- विचारों के आदान–प्रदान का साधन भाषा है।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) भाषा को कितने भागों में विभाजित किया गया है?

(ख) सांकेतिक भाषा को परिभाषित कीजिए।

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) भाषा किसे कहते हैं? लिखिए।

(ख) बोली से आप क्या समझते हैं?

2. दिए गए चित्रों को देखकर उनके नीचे भाषा के रूप लिखिए।

....

....

....

EDITONE INTERNATIONAL

3. दिए गए वाक्यों में उचित शब्द का चयन करके रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) पश्चिम बंगाल की भाषा है ..... (गुजराती, बांग्ला)

(ख) अमेरिका में बोली जाती है ..... (रूसी, अंग्रेज़ी)

(ग) सरकारी कामकाज की भाषा कहलाती है ..... (मातृभाषा, राजभाषा)

(घ) ..... भाषा का मान्य रूप नहीं है। (सांकेतिक, लिखित)

4. उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) शुद्ध बोलने, लिखने के लिए जानना आवश्यक है–

☐ व्याकरण ☐ लिपि ☐ मौखिक ☐ सांकेतिक

(ख) भारतवर्ष में कुल मान्यता प्राप्त भाषाएँ हैं–

☐ 18 ☐ 24 ☐ 22 ☐ 25

(ग) किसी प्रदेश में बोली जाने वाली भाषा कहलाती है–

☐ प्रादेशिक ☐ राष्ट्रीय ☐ राजभाषा ☐ इनमें से कोई नहीं

सोचें-विचारें

Critical Thinking

5. हिंदी हमारी राजभाषा है जबकि अंग्रेज़ी अंतर्राष्ट्रीय भाषा है। हिंदी की लिपि देवनागरी है तो अंग्रेज़ी भाषा की लिपि क्या है? सोच-समझकर बताइए।

खेल-खेल में

Creative Thinking

6. इंटरनेट की सहायता से पता लगाइए कि हिंदी भाषा और कौन-कौन से देशों में बोली जाती है। उन देशों के नाम लिखिए।

7. भारतीय नोट पर 'भारतीय रिजर्व बैंक' के अतिरिक्त और क्या-क्या लिखा होता है? ध्यानपूर्वक लिखकर बताइए।

.....

.....

.....

.....

.....

प्रेरणादायक मूल्य

तुलसी मीठे वचन तै, सुख उपजत चहुँ ओर।
वशीकरण के मंत्र हैं, तज दे वचन कठोर।।

EDITONE INTERNATIONAL

अध्याय 2

वर्ण, वर्णमाला और मात्राएँ
(Letters, Alphabet and Symbol of Vowels)

पढ़िए और समझिए

जब हम मुख से बोलते हैं तो बोलते समय विभिन्न ध्वनियाँ निकलती हैं, इन ध्वनियों को ही **वर्ण** कहा जाता है। नीचे दिए गए कुछ चित्रों को देखिए–

आम

चीनी

सभी शब्द वर्णों के मेल से बनते हैं। किसी शब्द में कितने वर्ण अथवा कितनी ध्वनियाँ समाहित हैं यह जानने के लिए उसके टुकड़े किए जाते हैं; जैसे–

आम – आ + म् + अ (इसमें चार ध्वनियाँ हैं)

चीनी – च + ई + न + ई (इसमें छह ध्वनियाँ हैं)

इनके और टुकड़े नहीं किए जा सकते।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि–

भाषा की सबसे छोटी इकाई को वर्ण कहा जाता है और वर्णों विभाजित नहीं किया जा सकता है।

भेद– वर्णों के दो भेद होते हैं–

- **स्वर–** जिन ध्वनियों के उच्चारण के लिए किसी अन्य वर्ण की सहायता की आवश्यकता नहीं पड़ती, उन्हें **स्वर** कहते हैं। हिंदी में स्वरों की संख्या 11 है।

  अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

- **व्यंजन–** ऐसे वर्ण जिनके उच्चारण के लिए अन्य वर्ण की सहायता ली जाती है, उन्हें **व्यंजन** कहा जाता है। हिंदी में व्यंजनों की संख्या मूल रूप से **33** हैं।

EDITONE INTERNATIONAL

क वर्ग	क्	ख्	ग्	घ्	ङ्
च वर्ग	च्	छ्	ज्	झ्	ञ्
ट वर्ग	ट्	ठ्	ड्	ढ्	ण्
त वर्ग	त्	थ्	द्	ध्	न्
प वर्ग	प्	फ्	ब्	भ्	म्
अंत:स्थ	य्	र्	ल्	व्	
ऊष्म	श्	ष्	स्	ह्	

अं , अः अयोगवाह कहलाते हैं।

अतिरिक्त वर्ण :

अनुस्वार (अं) : (ं) – इसका उच्चारण नासिका से किया जाता है।

जैसे – हंस, बंदर, अंगूर आदि ।

अनुनासिक (अँ) : (ँ) – इसका उच्चारण नासिका और कंठ दोनों की सहायता से होता है।

जैसे – आँख, साँप, चाँद आदि ।

विसर्ग (अः) : (:) – इसका उच्चारण आधे 'ह' की तरह कंठ की सहायता से होता है।

जैसे – प्रात:, नम:, अत: आदि ।

संयुक्त व्यंजन – संयुक्त व्यंजन दो भिन्न व्यंजनों एवं स्वर के मेल से बनता है।

जैसे – क् + ष् + अ = क्ष

त् + र् + अ = त्र

ज् + ञ् + अ = ज्ञ

श् + र् + अ = श्र

अतिरिक्त व्यंजन – 'ड़' तथा 'ढ़' क्रमश: 'ड' तथा 'ढ' के विकसित रूप हैं।

EDITONE INTERNATIONAL

वर्णमाला

हर भाषा की अपनी वर्णमाला होती है। हिंदी भाषा की भी अपनी वर्णमाला है, जो स्वर तथा व्यंजन के क्रमबद्ध समूह से बनती है। जिसमें कुल 52 वर्ण होते हैं। इसमें 11 स्वर तथा 41 व्यंजन होते हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि–

वर्णों के क्रमबद्ध समूह को वर्णमाला कहते हैं।

हिंदी भाषा में स्वर दो प्रकार से लिखे जाते हैं–

1. अपने मूल रूप में; जैसे–
   अनार, आदमी, एड़ी, औरत आदि।

2. व्यंजनों के साथ मात्रा के रूप में; जैसे–
   क् + इ = कि
   ख + आ = खा

स्वरों को व्यंजनों के साथ लिखते समय उनके चिह्न लिखे जाते हैं। ये चिह्न ही **मात्रा** कहलाते हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि–

व्यंजनों के साथ लगाए जाने वाले स्वरों के चिह्न मात्रा कहलाते हैं। जिसके पश्चात् व्यंजन वर्ण के स्वरूप में परिवर्तन आ जाते हैं।

व्यंजनों के साथ स्वरों की मात्राएँ इस प्रकार लगाई जाती हैं–

स्वर	मात्रा	व्यंजन	मात्रा के साथ व्यंजन	शब्द
अ	मात्रा नहीं होती	क् + अ	क	कमल
आ	ा	क + ा	का	काम
इ	ि	क + ि	कि	किताब
ई	ी	क + ी	की	कील
उ	ु	क + ु	कु	कुनाल
ऊ	ू	क + ू	कू	कूप
ऋ	ृ	क + ृ	कृ	कृतिका
ए	े	क + े	के	केला

EDITONE INTERNATIONAL

ऐ	ै	क + ै	कै	कैसा
ओ	ो	क + ो	को	कोयल
औ	ौ	क + ौ	कौ	कौआ

आइए कुछ संयुक्ताक्षरों के उदाहरणों को जानें –

च्	+	च	=	च्च	=	उच्चारण
न्	+	न	=	न्न	=	प्रसन्न
ज्	+	ज	=	ज्ज	=	सज्जन
द्	+	द	=	द्द	=	उद्देश्य
च्	+	च	=	च्च	=	खच्चर
क्	+	क	=	क्क	=	ढक्कन
च्	+	छ	=	च्छ	=	स्वच्छ
स्	+	व	=	स्व	=	स्वदेश
स्	+	थ	=	स्थ	=	स्थापित
म्	+	म	=	म्म	=	सम्मान

आइए पुनरावृति करें

- भाषा की सबसे छोटी इकाई को वर्ण कहा जाता है।
- स्वरों का प्रयोग मूल रूप एवं मात्रा दोनों में होता है।
- व्यंजनों का उच्चारण स्वतंत्र रूप से नहीं होता।
- वर्णों के नियोजित रूप को वर्णमाला कहते हैं।

अध्यापन संकेत शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को वर्ण, वर्णमाला तथा मात्राओं के महत्व को समझाएँ।

अभ्यास कार्य

मौखिक कार्य

Speaking Skills

दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) वर्ण कैसे बनते हैं? बताइए।

(ख) हिंदी वर्णमाला में वर्णों की संख्या बताइए।

EDUONE INTERNATIONAL

लेखन कार्य

Writing Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) मात्रा किसे कहते हैं?

(ख) व्यंजन से आप क्या समझते हैं?

2. दिए गए वाक्यों में सही कथन पर (✓) और गलत कथन पर (✗) का चिह्न लगाइए।

(क) भाषा की सबसे छोटी ध्वनि वर्ण है। ( )

(ख) स्वरों की संख्या ग्यारह है। ( )

(ग) व्यजनों के उच्चारण के लिए स्वरों की सहायता नहीं लेनी पड़ती। ( )

3. उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) हिंदी में व्यंजनों की संख्या कितनी है?

☐ तैंतीस ☐ सैंतीस ☐ पैंतीस ☐ अड़तीस

(ख) वर्णों के क्रमबद्ध समूह को क्या कहते हैं?

☐ वर्णसुमन ☐ वर्णमाला ☐ वर्णमंजरी ☐ इनमें से कोई नहीं

(ग) भाषा की सबसे छोटी इकाई क्या है?

☐ शब्द ☐ वाक्य ☐ वर्ण ☐ स्वर

सोचें-विचारें

Critical Thinking

4. ज़रा सोचिए! व्यंजन वर्ण को स्वर के साथ लिखा जाता है, बताइए संयुक्त व्यंजन को किस प्रकार लिखेंगे?

खेल-खेल में

Brain Storming Activity

5. अपने परिवार के सभी व्यक्तियों के नाम हिंदी में लिखें एवं उनका वर्ण विच्छेदन कर उनकी मात्राओं को लिखिए।

प्रेरणादायक मूल्य

स्वर तथा व्यंजन के मेल से वर्णमाला का निर्माण होता है। इसी प्रकार सबसे मिल जुलकर रहने से अच्छे व्यक्तित्व का निर्माण होता है।

EDITONE INTERNATIONAL